प्रारंभिक परीक्षा

कैंसर पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट 2026

संदर्भ

कैंसर पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट (Global Status Report on Cancer) 2026 जारी की गई है, जो कैंसर के वैश्विक स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक बोझ का व्यापक आकलन प्रदान करती है।

कैंसर पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट के बारे में

- **किसके द्वारा जारी:** विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC)।
- यह कैंसर के साथ जी रहे लोगों के अनुभवों को दर्ज करने वाला पहला वैश्विक सर्वेक्षण है।
- हर साल लगभग 20.6 मिलियन नए कैंसर के मामले सामने आते हैं और 10 मिलियन कैंसर से संबंधित मौतें होती हैं।
- हृदय रोगों के बाद, कैंसर दुनिया भर में मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है।
- फेफड़ों का कैंसर विश्व स्तर पर कैंसर से होने वाली मौतों का प्रमुख कारण बना हुआ है।
- एशिया पर वैश्विक कैंसर के बोझ का सबसे बड़ा हिस्सा है, जबकि यूरोप में इसकी जनसंख्या के आकार के अनुपात में कैंसर की दर (घटनाएं) असमान रूप से अधिक दर्ज की गई है।

नवजात सेप्सिस (NEONATAL SEPSIS)

संदर्भ

अंतर्राष्ट्रीय 'नियोसेप-1 ट्रायल' (NeoSep-1 Trial), जो बढ़ते रोगाणुरोधी प्रतिरोध (antimicrobial resistance) के बीच नवजात सेप्सिस के इलाज के लिए प्रभावी एंटीबायोटिक संयोजनों का मूल्यांकन करता है, का विस्तार भारत में हुआ है, जिसमें जिपमर (JIPMER), पुडुचेरी में पहले शिशु को नामांकित किया गया है।

नवजात सेप्सिस के बारे में

- यह 90 दिन तक के नवजात शिशुओं को प्रभावित करने वाला एक जीवन-घातक रक्तप्रवाह संक्रमण (bloodstream infection) है।
- समय से पहले (premature) और जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं में अधिक आम है।
- दुनिया भर में नवजात मृत्यु दर (neonatal mortality) के प्रमुख कारणों में से एक है।
- **कारण**
    - मुख्य रूप से एस्चेरिचिया कोलाई (E. coli) सहित जीवाणु संक्रमण (bacterial infections) के कारण होता है।
    - यह हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस (HSV) संक्रमण के परिणामस्वरूप भी हो सकता है, विशेष रूप से यदि माँ गर्भावस्था के दौरान संक्रमण का शिकार होती है।

उल्लास (ULLAS - UNDERSTANDING LIFELONG LEARNING FOR ALL IN SOCIETY)

संदर्भ

उल्लास (ULLAS - Understanding Lifelong Learning for All in Society) योजना के कार्यान्वयन के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के तहत उत्तराखंड को छठा पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया है। यह मिजोरम, गोवा, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम के साथ जुड़ गया है।

उल्लास योजना के बारे में

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप एक केंद्र प्रायोजित योजना (Centrally Sponsored Scheme)।
- **उद्देश्य:** सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के गैर-साक्षर व्यक्तियों के लिए साक्षरता के अवसर प्रदान करना।
- **दृष्टिकोण (Vision):** 'कर्तव्य बोध' (sense of duty) की भावना पर आधारित एक स्वयंसेवक-संचालित दृष्टिकोण के माध्यम से "जन जन साक्षर" (साक्षर भारत) का निर्माण करना।
- **लक्ष्य:** सीखने के हाइब्रिड मोड के माध्यम से 5 करोड़ शिक्षार्थियों को मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (Foundational Literacy and Numeracy - FLN) प्रदान करना।

इजिप्शियन वल्चर (मिस्र का गिद्ध)

संदर्भ

इजिप्शियन वल्चर नीलगिरी में स्थानीय रूप से विलुप्त हो गया है और विशेष रूप से तमिलनाडु में इसमें उल्लेखनीय गिरावट देखी जा रही है।

इजिप्शियन वल्चर के बारे में

- दुनिया में गिद्ध की सबसे छोटी प्रजाति।
- दुनिया का एकमात्र उपकरण-उपयोग करने वाला (tool-using) गिद्ध जो अंडों को तोड़ने के लिए पत्थरों का उपयोग करता है।
- एक महत्वपूर्ण अपमार्जक (scavenger) के रूप में कार्य करता है, जो जानवरों के शवों का निपटान करके पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है।
- दक्षिणी यूरोप, उत्तरी और मध्य अफ्रीका, मध्य पूर्व, मध्य एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाता है।
- **प्रमुख खतरे**
    - पशु चिकित्सा दवा डाइक्लोफेनाक (diclofenac) से विषाक्तता।
    - करंट लगना (Electrocution) और बिजली पारेषण (पावर ट्रांसमिशन) लाइनों से टकराव।

- **आईयूसीएन (IUCN) स्थिति:** लुप्तप्राय (Endangered)
- **डब्ल्यूपीए (WPA), 1972:** अनुसूची I (Schedule I)

ट्राइबेक्स (TRIBEX) डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म

संदर्भ

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने जनजातीय कलाओं, संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान, भाषाओं और आजीविका कौशल के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार के लिए भारत का पहला समर्पित डिजिटल शिक्षण मंच 'ट्राइबेक्स' (TribeX) लॉन्च किया है।

ट्राइबेक्स के बारे में

- भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत को प्रदर्शित करने वाला एक केंद्रीकृत डिजिटल शिक्षण मंच और ज्ञान भंडार (knowledge repository)।
- शिक्षार्थियों, शोधकर्ताओं और उत्साही लोगों को सीधे जनजातीय कारीगरों और स्वदेशी ज्ञान धारकों से सीखने के लिए खुली पहुंच प्रदान करता है।
- जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित।
- **कवर की गई उल्लेखनीय भाषा:** ओल चिकी (Ol Chiki) लिपि का उपयोग करते हुए संथाली।
- **शैक्षणिक कार्यक्रम**
    - जनजातीय चित्रों, हस्तशिल्प, हथकरघा परंपराओं, संगीत वाद्ययंत्रों और अन्य स्वदेशी कला रूपों को कवर करने वाले मुफ्त प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।
    - संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय (वाराणसी) के सहयोग से हाइब्रिड मोड में पेश किए जाने वाले यूजीसी (UGC) से मान्यता प्राप्त एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (Postgraduate Diploma) कार्यक्रम।

पैरट बोर्नावायरस 4 (PABV-4)

संदर्भ

भारत में पहली बार, वैज्ञानिकों ने बंदी तोतों (captive parrots) के बीच फैलने वाले पैरट बोर्नावायरस 4 (PaBV-4) का पता लगाया है और उसका आनुवंशिक रूप से लक्षण-वर्णन (genetically characterised) किया है, जो देश में वायरस की पहली पुष्ट उपस्थिति को चिह्नित करता है।

पैरट बोर्नावायरस 4 (PaBV-4) के बारे में

- PaBV-4 एक अत्यधिक संक्रामक, सिंगल-स्ट्रैंडेड आरएनए (RNA) वायरस है।
- यह प्रोवेंट्रिकुलर डाइलेटेशन डिजीज (PDD) का प्रमुख कारण है, जो तोते, मकाऊ (macaws), पैराकीट्स (parakeets), कॉकटेल (cockatiels) और लवबर्ड्स जैसे सिटासीन (psittacine) पक्षियों को प्रभावित करने वाली एक गंभीर तंत्रिका संबंधी (neurological) और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी है।

- इसका संचरण दूषित भोजन, पानी, लार और मल के माध्यम से होता है, और संक्रमित माता-पिता से अंडों में भी हो सकता है।
- संक्रमित पक्षियों में वायरस का पता लगाने के लिए आरटी-पीसीआर (RT-PCR) पसंदीदा नैदानिक तरीका है।

दृष्टि-10 स्टारलाइनर (DRISHTI-10 STARLINER)

संदर्भ

गुजरात के पोरबंदर के पास एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान एक दृष्टि-10 स्टारलाइनर मानवरहित हवाई वाहन (UAV) के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद भारतीय नौसेना ने एक 'बोर्ड ऑफ इंक्वायरी' (BoI) का आदेश दिया है।

दृष्टी-10 स्टारलाइनर के बारे में

- स्वदेश में निर्मित 'मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस' (MALE) मानव रहित हवाई वाहन (UAV)।
- हर्मीस 900 (Hermes 900) प्लेटफॉर्म पर आधारित, इज़राइल के एलबिट सिस्टम्स (Elbit Systems) के साथ एक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते के तहत 'अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस' द्वारा विकसित।
- मुख्य रूप से खुफिया, निगरानी और टोही (ISR) मिशनों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो भारत की समुद्री निगरानी और सीमा सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाता है।
- **MALE UAV:** मध्यम ऊंचाई पर 36 घंटे तक की सहनशक्ति (endurance) के साथ काम करने में सक्षम, जो लंबी अवधि के निगरानी मिशन को सक्षम बनाता है।
- **उच्च पेलोड क्षमता:** इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सेंसर, संचार प्रणाली और रडार पेलोड सहित 450 किलोग्राम तक मिशन उपकरण ले जा सकता है।
- **बियॉन्ड विज़ुअल लाइन ऑफ साइट (BVLOS):** लंबी दूरी की कमांड, नियंत्रण और रीयल-टाइम डेटा ट्रांसमिशन के लिए सैटेलाइट कम्युनिकेशन (SATCOM) से लैस।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सार्वजनिक प्राधिकरण (PUBLIC AUTHORITY)

संदर्भ

केंद्रीय सूचना आयोग (CIC) ने फैसला सुनाया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम, 2005 के तहत "सार्वजनिक प्राधिकरण " (public authority) नहीं है।

RTI अधिनियम के तहत सार्वजनिक प्राधिकरण के बारे में

- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 2(h) के तहत परिभाषित।
- इसमें स्थापित या गठित कोई भी प्राधिकरण, निकाय या संस्थान शामिल है:
    - संविधान द्वारा या उसके अधीन।
    - संसद द्वारा बनाए गए कानून द्वारा।

  - राज्य विधानमंडल द्वारा बनाए गए कानून द्वारा।
  - सरकारी अधिसूचना या आदेश द्वारा।
- उन निकायों को भी शामिल किया गया है जो हैं:
  - सरकार के स्वामित्व में।
  - सरकार द्वारा नियंत्रित।
  - सरकारी धन द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से काफी हद तक वित्तपोषित (substantially financed)।
- सरकार से पर्याप्त धन प्राप्त करने वाले गैर-सरकारी संगठन (NGOs) भी इस अधिनियम के अंतर्गत आते हैं।

थलाप्पालम सर्विस कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड बनाम केरल राज्य (2013) मामले में सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय:

- केवल सार्वजनिक कार्यों का निष्पादन किसी संस्थान को सार्वजनिक प्राधिकरण नहीं बनाता है।
- अदालतों ने माना है कि 'पर्याप्त सरकारी नियंत्रण' और 'पर्याप्त सरकारी वित्तपोषण' सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 2(h) के तहत प्राथमिक परीक्षण हैं।
- किसी संस्थान को RTI अधिनियम के दायरे में लाने के लिए केवल विनियमन, पर्यवेक्षण या सार्वजनिक महत्व पर्याप्त नहीं है।

समाचार में स्थान

किर्गिस्तान

संदर्भ

भारत और किर्गिस्तान ने बिश्केक में 'मानस और महाभारत अंतर्राष्ट्रीय सभ्यतागत अध्ययन केंद्र' (International Centre for Civilizational Studies "Manas and Mahabharata") की स्थापना के साथ अपने सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत किया है। इस अवसर पर किर्गिज़ महाकाव्य 'मानस' (Manas) के पहले हिंदी अनुवाद का विमोचन भी हुआ।

किर्गिस्तान के बारे में:

- **एक स्थलरुद्ध (Landlocked) देश, जिसे अक्सर इसके ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों और सुंदर परिदृश्यों के कारण "मध्य एशिया का स्विट्जरलैंड" कहा जाता है।**
- **पड़ोसी देश:** कजाकिस्तान (उत्तर), उज्बेकिस्तान (पश्चिम), ताजिकिस्तान (दक्षिण), और चीन (पूर्व) के साथ सीमा साझा करता है।
- **जलवायु:** मुख्य रूप से महाद्वीपीय (continental), जिसकी विशेषता ठंडी सर्दियां और गर्म गर्मियां हैं।
- **सबसे ऊँची चोटी:** जेंगिश चोकुसु (Jengish Chokusu) (विक्ट्री पीक तियान शान पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी है)।
- **प्रमुख नदियाँ:** नारिन, सिर दरिया और चू।
- **प्रमुख झील:** इस्सिक-कुल झील (Lake Issyk-Kul), जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है।
- **प्राकृतिक संसाधन:** सोना, दुर्लभ मृदा तत्वों (rare earth elements), कोयला, तेल, प्राकृतिक गैस और यूरेनियम से समृद्ध, जो खनन को अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाता है।

सबांग बंदरगाह (SABANG PORT)

संदर्भ

भारत और इंडोनेशिया ने संयुक्त रूप से सबांग बंदरगाह विकसित करने पर सहमति व्यक्त की है, जो इंडो-पैसिफिक (हिंद-प्रशांत) में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के उनके प्रयासों को दर्शाता है।

सबांग पोर्ट के बारे में

- यह इंडोनेशिया के आचे प्रांत में सुमात्रा के उत्तरी सिरे पर वेह द्वीप (Weh Island) पर स्थित है।
- यह मलक्का जलडमरूमध्य (Strait of Malacca) के पास स्थित है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है।
- यह हिंद महासागर (अंडमान सागर के ज़रिए) और प्रशांत महासागर (दक्षिण चीन सागर के ज़रिए) को जोड़ता है।

मुख्य परीक्षा

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GLOBAL CAPABILITIES CENTRE)

संदर्भ:

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्यमों से केवल 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर' (GCCs) की मेजबानी करने से आगे बढ़कर नवाचार (innovation), बौद्धिक संपदा सृजन और उत्पाद विकास को गति देने का आग्रह किया।

GCC भारत के आईटी (IT) सेवा उद्योग को कैसे प्रभावित करते हैं?

सकारात्मक प्रभाव	नकारात्मक प्रभाव
सेवा आधारित विकास: जीसीसी डेटा एनालिटिक्स, इंजीनियरिंग डिजाइन, एआई और आर एंड डी जैसे उच्च-मूल्य वाले कार्यों में विस्तार करके भारत के सेवा निर्यात के एक नए चरण को आगे बढ़ा रहे हैं। उदाहरण के लिए, भारत **वित्त, ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर और खुदरा सहित क्षेत्रों में** लगभग 1,600 जीसीसी की मेजबानी करता है।	**आईटी सेवाओं पर प्रतिस्पर्धी दबाव:** बहुराष्ट्रीय कंपनियां जीसीसी के माध्यम से प्रौद्योगिकी कार्यों को तेजी से आंतरिक बना रही हैं, जिससे भारतीय आईटी फर्मों के लिए आउटसोर्सिंग के अवसर कम हो जाते हैं। उदाहरण के लिए, जेपी मॉर्गन चेस और वेल्स फारगो ने बड़े भारतीय जीसीसी की स्थापना की है। स्थानीय आईटी फर्मों को आउटसोर्सिंग करने के बजाय, वे अब आंतरिक रूप से मालिकाना वित्तीय एल्गोरिदम, जोखिम प्रबंधन और साइबर सुरक्षा को संभालते हैं।
ज्ञान और प्रौद्योगिकी स्पिलओवर: जीसीसी, स्टार्टअप और शिक्षाविदों के बीच सहयोग नवाचार, विशेष कौशल और उन्नत प्रौद्योगिकियों के प्रसार को बढ़ावा देता है। उदाहरण के लिए, बॉश ग्लोबल सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज आईआईएससी, बेंगलुरु के साथ सहयोग करता है ताकि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा मिल सके और भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया जा सके।	**सीमित मूल्यवर्धन:** कई GCC भारत में बौद्धिक संपदा या रणनीतिक निर्णय लेने के सीमित स्वामित्व के साथ मुख्य नवाचार के बजाय लागत मध्यस्थता पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
प्रतिभा प्रतिधारण: जीसीसी भारत के भीतर वैश्विक करियर के अवसर प्रदान करते हैं, जिससे कुशल पेशेवरों को विदेश प्रवास करने की आवश्यकता कम हो जाती है। उदाहरण के लिए, जीसीसी अब देश **भर में** 19 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देते हैं।	**नौकरी की गुणवत्ता संबंधी चिंताएं:** कुछ जीसीसी उन्नत तकनीकी क्षमताओं पर कम लागत वाली भर्ती को प्राथमिकता देते हैं, जिससे कौशल तीव्रता और मजदूरी की गुणवत्ता के बारे में चिंताएं बढ़ जाती हैं।
बिजनेस मॉडल ट्रांसफॉर्मेशन: जीसीसी का उदय भारतीय आईटी फर्मों को श्रम-गहन आउटसोर्सिंग से परामर्श, एआई,	**एआई-नेतृत्व वाला व्यवधान:** एआई में तेजी से प्रगति से नियमित सॉफ्टवेयर विकास, परीक्षण और समर्थन सेवाओं को खतरा है जो

क्लाउड सेवाओं और इंजीनियरिंग समाधानों की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। उदाहरण के लिए, **टीसीएस और इंफोसिस जैसी कई आईटी कंपनियां** बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) मॉडल के माध्यम से जीसीसी को इनक्यूबेट और मैनेज कर रही हैं।	जीसीसी और आईटी कंपनियों दोनों की रीढ़ बनते हैं।
ग्लोबल टेक्नोलॉजी हब: जीसीसी का एकाग्रता वैश्विक डिजिटल संचालन और नवाचार के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करता है। उदाहरण के लिए, भारत बहुराष्ट्रीय क्षमता केंद्रों के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जिसकी तुलना **इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में चीन** की भूमिका के बराबर है।	**शून्य-राशि विकास जोखिम:** उत्पाद नवाचार की ओर एक समान बदलाव के बिना जीसीसी का विस्तार नए आर्थिक मूल्य बनाने के बजाय आईटी सेवा फर्मों से काम का पुनर्वितरण कर सकता है। उदाहरण के लिए, माइक्रोसॉफ्ट ने पहले टीसीएस को सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट को आउटसोर्स किया था। अब माइक्रोसॉफ्ट हैदराबाद में अपना खुद का माइक्रोसॉफ्ट जीसीसी स्थापित करता है और आंतरिक रूप से वही काम करता है।

भारत 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स' (GCCs) की पूरी क्षमता का उपयोग कैसे कर सकता है?

- **भारत में बौद्धिक संपदा स्वामित्व को बढ़ावा देना:** नीतिगत प्रोत्साहनों को 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स' को अनुसंधान, डिजाइन और नवाचार गतिविधियों को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए जो भारत के भीतर बौद्धिक संपदा उत्पन्न करते हैं और उसे बनाए रखते हैं।
    - उदाहरण: प्रस्तावित 'डिज़ाइन लिंक्ड इंसेंटिव' (DLI) योजना 2.0 भारतीय संस्थाओं द्वारा सेमीकंडक्टर बौद्धिक संपदा के अधिक स्वामित्व को प्रोत्साहित करने के उपायों पर विचार कर रही है।
- **रणनीतिक नेतृत्व कार्यों को स्थानांतरित करना:** 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स' को वरिष्ठ प्रौद्योगिकी नेतृत्व, उत्पाद रणनीति और अनुसंधान निर्णय लेने के कार्यों की मेजबानी करके निष्पादन हब (execution hubs) से नवाचार केंद्रों (innovation centres) में विकसित होना चाहिए।
    - उदाहरण: भारत में वैश्विक मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारियों (CTOs) और उत्पाद नेतृत्व टीमों की उपस्थिति बहुराष्ट्रीय नवाचार नेटवर्क में गहरे एकीकरण को दर्शाएगी।
- **उच्च-मूल्य और सीमांत प्रौद्योगिकियों (Frontier Technologies) पर ध्यान केंद्रित करना:** भारत को उन्नत अनुसंधान और इंजीनियरिंग करने वाले क्षेत्रों में 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स' को बढ़ावा देना चाहिए, जहां गतिविधियां नियमित आउटसोर्सिंग और स्वचालन (automation) के प्रति कम संवेदनशील हैं।
    - उदाहरण: सेमीकंडक्टर डिजाइन, ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) अनुसंधान केंद्र भारत में तेजी से जटिल उत्पाद विकास कर रहे हैं।

- **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) युग के लिए क्षमताओं का उन्नयन:** 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स' को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, उन्नत इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास में निवेश करके नियमित सेवा वितरण से नवाचार-आधारित कार्यों में परिवर्तित होना चाहिए।
- **एक एकीकृत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना:** नीति को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और स्वदेशी नवाचार में तेजी लाने के लिए 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स', सूचना प्रौद्योगिकी (IT) सेवाओं, स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करना चाहिए।
    - उदाहरण: रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (iDEX) शैली के सहयोगी मॉडल और क्षेत्रीय 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर' नवाचार हब के माध्यम से कॉर्पोरेट वेंचर कैपिटल (CVC) साझेदारी, विश्वविद्यालय-उद्योग अनुसंधान सहयोग और नवाचार क्लस्टर का विस्तार करना।